दादी के जन्म दिन विश्व की सबसे बड़ी ट्फी भेंट, दामिनी को भावभीनी श्रद्धांजलि
लिम्का बुक में दर्ज हुआ विश्व का सबसे बड़ा मोमेन्टों

आबू रोड, 1 जनवरी, निसं। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी का 97 वां जन्म दिन बुराई मिटाओ-बेटी बचाओ के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर दादी को 27 फीट उंचा विश्व का सबसे बड़ा मोमेन्टों भेंट किया गया। यह मोमेन्टो लिम्का बुका ऑफ रिकार्ड में दर्ज कर लिया गया। सभा में उपस्थित हजारों लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिल्ली घटना में मृतक दामिनी को श्रद्धांजलि दी गयी।

ब्रह्माकुमारीज संस्था के डायमंड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में लिम्का बुका ऑफ रिकार्ड के मार्केटिंग हेड आर वीवी मूर्ति ने राजयोगिनी दादी जानकी को विश्व का सबसे बड़ा मोमेन्टों होने का प्रमाण पत्र सौंपा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए दादी जानकी ने कहा कि परमात्मा का शुक्रिया अदा करती हूँ कि उन्होंने हमें मानवता की सेवा में अभी तक स्वस्थ रखा है। पूरे दुनिया की महिलायें इतनी शक्तिशाली हो जाये जिससे किसी की नजर तक ना पड़ सके। यही मेरा प्रयास है।

आगे उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कि विश्व के 137 देशों में यह संस्था बहनों द्वारा संचालित है। जहाँ बहने लाखो भाई बहनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्तमान परिदृष्य में महिलाओं को अन्दर से शक्तिशाली बनकर ऐसी भूमिका निभाने की जरूरत है।

इस अवसर पर आंन्ध प्रदेश के उच्च न्यायालय के न्यायधीश वी इश्वरैय्य, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तथा दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव राकेश मेहता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दादीजी एक अदम्य साहस की धनी हैं। इनके निर्देशन में लोगों की जिन्दगी में बदलाव एक महान उपलब्धि है। केन्या के अग्रणी उद्योगपति तथा एडिडास टीम स्पोर्टस के प्रबन्ध निदेशक निजार जुमा ने कहा कि दादीजी ने पूरी दुनिया में यह सिद्ध कर दिया है कि नारी शक्ति स्वरूप बन जाये तो समाज का पूर्णतया बदलाव हो जायेगा।

इस अवसर पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके निर्वेर, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, बीके रमेश, सूचना निदेशक बीके करूणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युजय, लंदन से आयी बीके जयन्ति समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

विश्व की सबसे बड़ी ट्फी- यह दुनिया की सबसे बड़ी ट्फी है। जिसकी उंचाई 27 फीट है तथा महाराष्ट में इसे 27 दिन में बनाया गया था। इससे पहले विश्व का सबसे बड़ी ट्फी अमेरिका में बनी थी जो 22 फीट की थी परन्तु अब यह सबसे बड़ी बन गयी है कि क्योंकि यह 27 फीट की है। - आर वीवी मूर्ति, मार्केटिंग मैनेजर, लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड, दिल्ली

हजारों लोगों ने दामिनी को दी श्रद्धांजलि- मुख्य प्रशासिका के जन्म दिन पर आयाजित कार्यक्रम में हजारो लोगों ने दिल्ली में गैंग रेप की घटना की शिकार छात्रा की आत्मा की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

केक काटकर दीर्घायु होने की कामना- दादी जानकी के 97वें जन्मदिन पर केक काटकर तथा दीपज जलाकर उनके दीर्घायु होने की कामना की।

ट्फी देखने उमड़े लोग-27 फीट की बनी विशालाकाय ट्फी को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लाईट में जगमगाती आकर्षण का केन्द्र रही। जिसका दादी ने फीता काटकर किया उदघाटन

दादी बनी दुनिया की पहली मुख्य प्रशासिका- 97वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी दुनिया की पहली उम्रदराज महिला बन गयी। इससे पहले लांसन मंडेला और मदर टेरेसा थे। परन्तु 97 वर्ष की उम्र में विश्वव्यापी संगठन की मुख्य प्रशासिका के रूप में इन्हें गौरव प्राप्त हुआ है।

फोटो, 1एबीआरओपी, 1, 2, 3 विशालकाय ट्फी का चित्र, केके काटकर जन्मदिन मनाते अनुयाई।